वर्षः 14 - अंक : 165, मुंबई, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने पर एक्शन

ठेकेदार पर एफआईआर कंसल्टेंट पर भी केस

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर राज्य में सियासी पारा हाई हो गया है। विपक्ष समेत लोगों में इसे लेकर आक्रोश देखने को मिल रहा है। छत्रपति शिवाजी को लेकर सरकार के कामकाज पर भी सवाल किए जा रहे है। इस बीच, सिंधुदुर्ग पुलिस ने मामले को लेकर दो लोगों को खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने प्रतिमा बनाने वाले ठेकेदार जयदीप आप्टे और स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट चेतन पाटिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

प्रधानमंत्री मोदी ने किया था प्रतिमा का अनावरण

जानकारी के लिए बता दें कि सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को ढह गई। इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। लेकिन महज 8 महीने पहली प्रतिमा ढहने को लेकर लोगों में आक्रोश नजर आ रहा है। घटना के बाद, विपक्षी दलों ने शिंदे सरकार की कड़ी आलोचना की और काम की गुणवत्ता पर कम ध्यान देने का आरोप लगाया ।

बदलापुर के स्कूल का 15 दिन का सीसीटीवी फुटेज गायब

मंत्री दीपक केसरकर बोले– पुलिस करेगी जांच

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र बदलापुर में हुए बच्चियों के यौन उत्पीड़न मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग ने अपनी जांच रिपोर्ट शिक्षा मंत्री मंत्री दीपक केसरकर को सौंप दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कई सुझाव दिए हैं। मंत्री दीपर केसरकर ने सोमवार को कहा कि बदलापुर के स्कूल का 15 दिन का सीसीटीवी फुटेज गायब हो गया है और पुलिस को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया है। स्कूल में कथित तौर पर लड़कियों के यौन उत्पीड़न के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया था। इस मामले को लेकर 20 अगस्त को ठाणे जिले के बदलापुर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिससे उपनगरीय सेवाएं 10 घंटे से अधिक समय तक प्रभावित रही थीं। इसके बाद से पुलिस पर मामले को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप सामने आए हैं, जिसमें मामला दर्ज करने से पहले पीड़िता के माता-पिता को घंटों इंतजार कराना भी शामिल है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'आप' ने ठोकी महाराष्ट्र में ताल, घोषित किया तीसरा उम्मीदवार

मुंबई की सभी सीटों पर चुनौती देगी पार्टी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की सियासी पार्टियों के बीच कूटनीति का खेल शुरू हो गया है। अपने सम विचारधारा वाले गठबंधन में शामिल होने से पहले दबाव की नीति के तहत सियासी पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है। इसमें अब तक राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) कहीं न कहीं बाजी मारती दिख रही है। मुंबई की सभी 36 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर चुकी आप ने रविवार को महाराष्ट्र में अपने तीसरे उम्मीदवार की घोषणा कर दी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

उद्धव ठाकरे का मुसलमानों को समर्थन

बोले- संपत्ति को कोई हाथ नहीं लगा सकता

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने वक्फ बोर्ड संपत्ति मामले में मुसलमानों को पूरा समर्थन देने का वादा किया है। उद्धव ठाकरे ने कहा है कि वक्फ संपत्ति को कोई छू नहीं सकता। इसी के साथ उनकी पार्टी वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करेगी, ऐसा उन्होंने संकेत भी संकेत दिया है। उद्धव के इस बयान से मुसलमानों में यह विश्वास बढ़ा है कि उद्धव की शिवसेना उनके हितों के लिए लड़ेगी और जब विधेयक को संसद में मतदान के लिए रखा जाएगा तो उद्धव के सांसद इसके खिलाफ मतदान कर सकते हैं। हालांकि इससे पहले उद्धव को मुस्लिम समुदाय के विरोध का सामना भी करना पड़ा था, क्योंकि जब बिल पहली बार लोकसभा में पेश किया गया था तब शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अनुपस्थित थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

वक्फ है देश का तीसरा बड़ा भूमि धारक

गौरतलब हो कि रेल और रक्षा मंत्रालय के बाद वक्फ बोर्ड देश का तीसरा सबसे बड़ा भूमि धारक है। वक्फ बोर्ड के पास 8.7 लाख से अधिक संपतियां हैं, जिनकी कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपए है। सरकार ने वक्फ अधिनियम, 1955 में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया है, जिसे बाद में संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था। केंद्र सरकार द्वारा गठित इस समिति में शिवसेना (उद्धव गुट) से सांसद अरविंद सावंत शामिल हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

वही वोट बैंक राजनीति

बुढ़ापा सुरक्षित होना चाहिए, लेकिन यह बात तो समान रूप से सब पर लागू होनी चाहिए। ऐसा सिर्फ स्वास्थ्य, परिवहन आदि सस्ती सेवाएं उपलब्ध करवा कर और देश की सकल आर्थिक स्थिति के अनुपात में न्यूनतम नकदी ट्रांसफर से ही संभव है।

इसके कम ही प्रमाण मौजूद हैं कि सरकारी कर्मचारी जातिगत, सांप्रदायिक आदि आग्रहों से उठ कर पेशागत पहचान के आधार पर सामूहिक मतदान करते हैं।, फिर भी ये आम धारणा है कि वे बहुत बड़ा संगठित वोट बैंक है। अब चूंकि लोकसभा चुनाव के हालिया नतीजों ने हिंदुत्व के एजेंडे से सियासी बहुमत जुटा लेने का भाजपा का आत्म-विश्वास तोड़ दिया है, तो नरेंद्र मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना का नया संस्करण घोषित किया है। कहा गया है कि इससे कर्मचारियों को नौकरी के आखिरी वर्ष में मिली औसत बेसिक सैलरी का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलने की गारंटी हो जाएगी। इस तरह पुरानी पेंशन व्यवस्था का लाभ बहाल हो जाएगा। अंतर सिर्फ यह होगा कि ताजा एकीकृत पेंशन योजना में कर्मचारियों के मासिक वेतन के दस फीसदी योगदान की शर्त बनी रहेगी। साथ ही उन्हें मिलने वाला लाभ बाजार संबंधित बना रहेगा। यानी केंद्र ने बीच का रास्ता अपनाया है। इसके बावजूद इस योजना को लागू करने पर पहले वर्ष में केंद्र पर 7,250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि 2023-24 में पेंशन पर केंद्र का कुल खर्च दो लाख 30 हजार करोड़ और राज्य सरकारों का पांच लाख 20 हजार करोड़ रुपये था। यह उनके कुल साझा राजस्व का 12 फीसदी हिस्सा है। क्या वोट बैंक राजनीति के दबाव में कुल श्रमिक वर्ग के बीच एक छोटे हिस्से पर इतना खर्च करना विवेक-सम्मत है? बुढ़ापा सुरक्षित होना चाहिए, लेकिन यह बात तो समान रूप से सब पर लागू होनी चाहिए। ऐसा सिर्फ स्वास्थ्य, परिवहन आदि सस्ती सेवाएं उपलब्ध करवा कर और देश की सकल आर्थिक स्थिति के अनुपात में न्यूनतम नकदी ट्रांसफर से ही संभव है। अपने भविष्य के बाकी नियोजन की जिम्मेदारी व्यक्ति पर छोड़ी जा सकती है। यह सोच अपने-आप में समस्याग्रस्त है कि सरकारी नौकरी भाग्यशाली लोगों को मिलती है, जिनका सब कुछ सुरक्षित हो जाता है। बाकी लोग भगवान भरोसे हैं। बहरहाल, जब सियासत का मतलब वोट जुटाने की विवेकहीन होड़ से शामिल होना रह गया हो, तब समाज के व्यापक कल्याण की बातें निरर्थक मालूम पड़ने लगती हैं।

अजमेर कांड के फैसले का क्या असर होगा?

अजमेर के मामले में 32 साल बाद आए फैसले पर भी हमारी यही प्रतिक्रिया है कि ऐसे फैसलों से समाज में कोई बदलाव नहीं आएगा। क्योंकि 'जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाईड' अर्थात देर से न्याय मिलना न मिलने के समान होता है। इसलिए बात फिर वहीं अटक जाती है। महिलाओं के प्रति पुरुषों की इस पाशविक मानसिकता का क्या इलाज है? ये समस्या आज की नहीं, सदियों पुरानी है। हर समाज, हर धर्म और हर देश में महिलाएँ पुरुषों के यौन अत्याचारों का शिकार होती आयी हैं। बहुत कम को न्याय मिल पाता है, इसलिए 32 साल बाद अजमेर बलात्कार कांड का फैसला कोई मायने नहीं रखता।

अजमेर के मामले में 32 साल बाद आए फैसले पर भी हमारी यही प्रतिक्रिया है कि ऐसे फैसलों से समाज में कोई बदलाव नहीं आएगा। क्योंकि 'जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाईड' अर्थात देर से न्याय मिलना न मिलने के समान होता है। इसलिए बात फिर वहीं अटक जाती है। महिलाओं के प्रति पुरुषों की इस पाशविक मानसिकता का क्या इलाज है? ये समस्या आज की नहीं, सदियों पुरानी है।

जहां कोलकाता की डॉक्टर के बलात्कार और नृशंस हत्या को लेकर सारे देश में निर्भया कांड की तरह भारी बवाल मच रहा है। वहीं 1992 में अजमेर में बलात्कार कांड का फैसला भी पिछले हफ़्ते आया। इस फैसले में 6 आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। जबकि 5 आरोपी पहले ही सजा काट चुके हैं और एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। अजमेर के एक प्रतिष्ठित महिला कॉलेज की 100 से अधिक छात्राओं को ब्लैकमेल करके उनसे बलात्कार किए गए। जिनकी अश्लील फोटो शहर भर में फैल गई। इस कांड का मास्टर माइंड ज़िला यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती था, जिसके साथ यूथ कांग्रेस का उपाध्यक्ष नफीस चिश्ती और संयुक्त सचिव अनवर चिश्ती शामिल थे। इनके अलावा फोटो लैब डेवलपर, पुरुषोत्तम, इकबाल भाटी, कैलाश सोनी, सलीम चिश्ती, सोहेल गनी, जमीर हुसैन, अल्मास महाराज (फरार), इशरत अली, परवेज अंसारी, मोइजुल्ला, नसीम व फोटो कलर लैब का मलिक महेश डोलानी भी शामिल थे। प्रदेश भर में भारी आंदोलन और देश भर में तहलका मचाने वाले इस कांड की जाँच राजस्थान के तत्कालीन मुख्य मंत्री भैरों सिंह शेखावत ने खुफिया विभाग को सौंपी। ये पूरा मामला अजमेर से प्रकाशित 'नवज्योति' अखबार के युवा पत्रकार, संतोष गुप्ता की हिम्मत से बाहर आया। चौंकाने वाली बात यह थी कि इस जघन्य कांड में शामिल ज्यादातर अपराधी ख़्वाजा गरीब नवाज की मजार के खादिम (सेवादार) थे। इनकी हवस का शिकार हुई लड़कियाँ प्रतिष्ठित हिंदू परिवारों से थीं। जिनमें से 6 ने बदनामी के डर से आत्महत्या कर ली। दर्जनों अपनी पहचान छुपा कर जी रही हैं। क्योंकि जो जख़्म इन्हें युवा अवस्था में मिला उसका दर्द ये आजतक भूल नहीं पाईं हैं। चूँकि इस कांड में शामिल ज्यादातर अपराधी मुसलमान हैं और शिकार हुई लड़कियाँ हिंदू, इसलिए इसे मजहबी अपराध का जामा पहनाया जा सकता है

और वो ठीक भी है। पर हमारे देश में हर 16 मिनट में एक बलात्कार होता है। इन सब बलात्कारों में शामिल अपराधी बहुसंख्यक हिंदू समाज से होते हैं।

इतना ही नहीं, साधु, पादरी और मौलवी के वेश में, धर्म की आड़ में, अपने शिष्यों या शागिर्दों की बहू-बेटियों से दुष्कर्म करने वालों की संख्या भी खासी बड़ी है। इसे राजनैतिक जामा भी पहनाया जा सकता है क्योंकि इस जघन्य कांड के मास्टर माइंड यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी थे। पर क्या ये सही नहीं है कि देश भर में भाजपा व अन्य दलों के भी तमाम नेताओं और कार्यकताओं के नाम लगातार बलात्कार जैसे कांडों में सामने आते रहते हैं। इसलिए महिलाओं के प्रति इस पाशविक मानसिकता को धर्म और राजनीति के चश्मे से हट कर देखने की जरूरत है। दुर्भाग्य से जब कभी ऐसी कोई घटना सामने आती है तो हर राजनैतिक दल उसका पूरा लाभ लेने की कोशिश करता है। ताकि जिस दल की सरकार के कार्यकाल में ऐसा हादसा हुआ हो उसे या जिस दल के नेता या उसके परिवार जन ने ऐसा कांड किया हो तो उन्हें घेरा जा सके। जब हमारे देश में हर 16 मिनट पर एक बलात्कार होता है और बच्चियों के साथ भी होता है, उनकी नृशंस हत्या भी होती है, तो क्या वजह है कि बलात्कार की एक घटना पर तो मीडिया और राजनीति में इतना बवाल मचता है और दूसरे हजारों इससे बड़े मामलों की बड़ी आसानी से अनदेखी कर दी जाती है, मीडिया द्वारा भी और समाज व राजनेताओं द्वारा भी। तब ये जरूरी होता है जब कभी बलात्कार के किसी कांड पर बवंडर मचे तो उसे इस नजरिए से भी देखना चाहिए। ये बवंडर समस्या के हल के लिए हो रहा है या अपनी राजनैतिक रोटियाँ सेंकने के लिए। अब प्रश्न है कि ऐसे अपराधी को क्या सजा दे जाए? अपराध शास्त्र के विशेषज्ञ ये सिद्ध कर चुके हैं कि किसी अपराधी को मृत्यु दंड जैसी सजा सुनाने के बाद भी उसका दूसरों पर कोई असर नहीं पड़ता और इस तरह के अपराध फिर भी लगातार होते रहते हैं। पर दूसरी तरफ पश्चिमी एशिया के देशों में शरीयत कानूनों को लागू किया जाता है जिसमें चोरी करने वाले के हाथ काट दिए जाते हैं और बलात्कार करने वाले की गर्दन काट दी जाती है। पिछले ही हफ़्ते सोशल मीडिया पर दिल दहलाने वाला एक वीडियो प्रचारित हुआ, जिसमें दिखाया है कि कैसे 6 पाकिस्तानी युवाओं को 16 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार के आरोप में उनकी सरेआम तलवार से गर्दन काट दी गई।हादसे के अगले दिन वहाँ की अदालत ने अपना फैसला सुना दिया। अक्सर इस बात का उदाहरण दिया जाता है कि शरीयत कानून में ऐसी सजाओं के चलते इन देशों में चोरी और बलात्कार की घटनाएँ नहीं होती। पर ये अर्धसत्य है। क्योंकि अक्सर ऐसी सजा पाने वाले अपराधी तो आम लोग होते हैं जो दुनिया के गरीब देशों से खाड़ी के देशों में रोजगार के लिए आते हैं। जबकि ये तथ्य अब दुनिया से छिपा नहीं है कि खाड़ी के देशों के रईसजादे और शेख विदेशों से निकाह के नाम पर फुसला कर लाई गई सैंकड़ों लड़कियों का अपने हरम में रात-दिन शारीरिक शोषण करते हैं। फिर उन्हें नौकरानी बना देते हैं। इन सब पर शरीयत का कानून क्यों नहीं लागू होता? हमारे भी वेद ग्रंथों में बलात्कारी की सजा सुझाई गयी है। बलात्कारी का लिंग काट दिया जाए। उसके माथे पर एक स्थायी चिह्न बनाकर समाज में छोड़ दिया जाए। जिसे देखते ही कोई भी समझ जाए कि इसने बलात्कार कर किसी की जिंदगी बर्बाद की है। फिर ऐसे व्यक्ति से न कोई रिश्ता रखेगा, न दोस्ती। उसका परिवार भी उसे रखना पसंद नहीं करेगा। कोई नौकरी नहीं मिलेगी। कोई धंधा नहीं कर पायेगा। भीख भी नहीं मिलेगी। कोई डॉन भी हुआ, तो उसकी गैंग उसे छोड़ देगा। क्योंकि कोई गैंग नहीं चाहेगा कि उनकी गैंग किन्नरों की गैंग कहलाये। ऐसे में बलात्कारी या तो खुद ही आत्महत्या कर लेगा या अछूत बनकर जिल्लत भरी जिंदगी जियेगा। उसका यह हाल देख समाज में किसी और की यह अपराध करने की हिम्मत ही नहीं होगी। मगर जेल भेजने या फाँसी देने से अपराध नहीं रुकेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अरब सागर में मछली पकड़ने गई बोट का टूटा पंखा

नाविक सहित 18 मछुआरे फंसे, लाया गया वापस

मुंबई। नवी मुंबई में भाईंदर पश्चिम के अरब सागर में मछली पकड़ने गई गॉडविल बोट का वापस लौटते समय पंखा (प्रोपेलर) टूट जाने की वजह से वह बीच सागर में बंद पड़ गई थी और सागर की लहरों में हिचकोले खाने लगी थी। बोट पर एक नाविक और 17 खलासी फंस गए थे। रविवार शाम को मछली पकड़ने गई एक अन्य बोट द्वारा उस बंद पड़ी बोट को खींचकर किनारे लाए जाने की जानकारी स्थानीय नागरिक अजीत गंगोली ने दी है। जिससे बोट पर सवार सभी के परिजनों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि भाईंदर उत्तन पातान बंदर की गॉडविल बोट को लेकर उसके नाविक अलेक्जेंडर डग्लस बेलू अपने 17 खलासी के साथ

मछली पकड़ने के लिए समुद्र में दूर तक गए हुए थे। विगत दो दिनों से मूसलाधार बरसात और तेज हवा चलने की वजह से मौसम अचानक खराब हो गया। जिससे समुद्र में मछली पकड़ने गए सभी बोट को किनारे लौटने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही सभी बोट किनारे की तरफ लौटने लगी है। गॉडविल बोट के नाविक अलेक्जेंडर डग्लस बेलू भी अपने बोट को लेकर किनारे की तरफ लौट रहे थे, लेकिन अचानक उनके बोट का पंखा टूट कर पानी में गिर गया और उनकी बोट बीच समुद्र में हिचकोले खाने लगी। इसकी सूचना नाविक ने वायरलेस के माध्यम से रविवार की सुबह 7 बजे दी थी। इसके बाद उनके मदद के लिए कोस्टगार्ड, पुलिस, मत्स्य विभाग और मछली पकड़ने गई अन्य बोट के नाविकों को कहा गया। ऐसी जानकारी मछुआरों के नेता बर्नाड डिमेलो ने दी।

अन्य बोट के सहारे लाया किनारे

कोस्टगार्ड और पुलिस की टीम ने एक अन्य बोट को की मदद से गॉडविल बोट को रस्सी के सहारे बांधकर खींचते हुए किनारे पर लाया। पुलिस ने बताया कि बोट पर सवार नाविक और सभी जहाजी मजदूर सुरक्षित है। सभी की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। फंसे हुए लोगों के परिजनों को भी यह जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि समुद्र में फंसे लोगों के परिजनों ने सुरक्षित होने की खबर मिलने के बाद राहत की सांस ली।

मुंबई के बुजुर्ग दंपत्ति को एयर इंडिया की उड़ान में हुई परेशानी, न्याय की मांग

मुंबई। मुंबई के एक बुजुर्ग दंपत्ति पंकज और अलका खारा सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान हुई कई समस्याओं के बाद न्याय की मांग कर रहे हैं। उनकी परेशानी 24 मई को शुरू हुई, जब तकनीकी समस्याओं के कारण उनकी एयर इंडिया की उड़ान छह घंटे तक रुकी रही। यात्रियों को बिना एयर कंडीशन वाले गर्म विमान में छोड़ दिया गया, जिसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई। पंकज खारा ने बताया, मैं और मेरी पत्नी अलका अपनी बेटी की गर्भावस्था के लिए यात्रा कर रहे थे। हम दोनों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं- ऑस्टियोआर्थराइटिस और पीठ की समस्या। मेरी पत्नी व्हीलचेयर पर हैं और हमें सामान न ले जाने की सलाह दी गई थी। उड़ान रद्द होने के बाद, हमें मोबाइल सीढ़ी से उतरते हुए अपना बैग संभालना पड़ा। सैन फ्रांसिस्को हवाई अड्डे पर मुझे कर्मचारियों की कमी के कारण अपनी पत्नी

की व्हीलचेयर को खुद ही धकेलना पड़ा। केबिन क्रू ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन उनका सहयोग सीमित था। खारा ने कहा, हमारी पीठ की समस्याएँ और भी बदतर हो गईं, जिससे हम अपनी बेटी की मदद करने के बजाय उस पर बोझ बन गए। 7 अगस्त को उनकी वापसी की उड़ान के दौरान भी उनकी परेशानी जारी रही। अपना सामान चेक इन करने और लाउंज में प्रतीक्षा करने के बाद, पंकज ने देखा कि आने वाली उड़ान में देरी हो रही है। उन्होंने कहा, बेंगलुरू से आने वाला विमान देरी से उतरा। वापसी के समय को देखते हुए, यह स्पष्ट था कि हमारी उड़ान समय पर नहीं जाएगी। शाम 7।30 बजे, जोड़े को गेट पर जाने के लिए कहा गया, जो सुरक्षा जांच से एक स्तर नीचे है। लेकिन चेक-इन अभी तक शुरू नहीं हुआ था और कर्मचारियों ने उन्हें वापस लाउंज में जाने के लिए कहा और कहा कि उन्हें बुलाया जाएगा। वापस आते समय अलका एस्केलेटर पर फिसल गई और गिर गई। उसे पैरामेडिक्स ने देखा, लेकिन उड़ान से पहले उसे अभी भी मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त करना था। पंकज ने कहा, एयर इंडिया के ड्यूटी मैनेजर, मनोज गुप्ता ने पैरामेडिक्स द्वारा हमें उड़ान भरने की अनुमति दिए जाने के बावजूद आपातकालीन कक्ष में जाने पर जोर दिया। हमने विनती की, लेकिन वह नहीं माने।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी किए भारत में सीप्लेन परिचालन के लिए दिशा-निर्देश

मुंबई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को भारत में सीप्लेन संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए दिशा-निर्देशों की घोषणा की, जो देश के विशाल तटीय और अंतर्देशीय जल संसाधनों की क्षमता का दोहन करने के लिए तैयार है। भारत, अपनी 7,517 किलोमीटर लंबी तटरेखा और नदियों और झीलों के व्यापक नेटवर्क के साथ सीप्लेन सेवाओं के विकास के लिए एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। इस पहल के अनुरूप, मंत्रालय ने निर्माता द्वारा सीप्लेन के प्रदर्शन की योजना की भी घोषणा की है, जो शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा। नए लॉन्च किए गए दिशा-निर्देश गैर-अनुसूचित ऑपरेटर परमिट का उपयोग करके क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना के तहत सीप्लेन संचालन को सक्षम करेंगे। यह दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करेगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने पर एक्शन

छत्रपति शिवाजी महाराज के मुर्ति गिरने के मामले को लेकर दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 110, 125, 318 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। सिंधुदुर्ग पुलिस ने जिन लोगों पर केस दर्ज किया है, उनकी ही कंपनियों को शिवाजी महाराज की मुर्ति बनाने का काम दिया गया था। सूबे के सीएम एकनाथ शिंदे मामले के जांच के आदेश दिए है और कहा है कि शिवाजी महाराज की मुर्ति फिर से स्थापित की जाएगी। भारतीय नौसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं, जिसका अनावरण पिछले साल नौसेना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। नौसेना ने देर रात जारी एक बयान में कहा कि उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की तुरंत जांच और जल्द से जल्द प्रतिमा की मरम्मत व पुनर्स्थापना के लिए कदम उठाने की खातिर एक टीम तैनात की है। बयान में कहा गया है, भारतीय नौसेना सिंधुदुर्ग के निवासियों को 4 दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस पर समर्पित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की क्षति पर गहरी चिंता व्यक्त करती है।

उद्धव ठाकरे का मुसलमानों को समर्थन

माना जा रहा है कि ऐसा निर्णय लोकसभा चुनाव के परिणामों को देखते हुए लिया है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में उद्धव गुट को हिंदुओं एवं मराठी लोगों के अपेक्षित वोट नहीं मिले थे। जबकि मुसलमानों ने महा विकास आघाड़ी और खासकर उद्धव गुट के उम्मीदवारों को एकमुश्त वोट दिए थे। उद्धव गुट के सांसदों द्वारा वक्फ बिल जैसे संवेदनशील मुद्दे का विरोध करने से अल्पसंख्यक समाज में पार्टी के प्रति नया विश्वास बढ़ेगा। अब ठाकरे ने अब वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा का समर्थन करने और वक्फ अधिनियम में संशोधन का विरोध करने का वचन दिया है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड की शक्तियों पर अंकुश लगाने के मकसद से वक्फ संशोधन बिल लाया है। एक बार वक्फ संपत्ति घोषित होने के बाद, स्वामित्व व्यक्ति से वक्फ में स्थानांतरित हो जाता है, जिसका अर्थ है कि यह अब अल्लाह की संपत्ति है, जिससे यह अपरिवर्तनीय हो जाता है। वक्फ ट्रिब्यूनल स्वामित्व विवादों के मामलों से निपटता है। इस प्रणाली के साथ एक बड़ी समस्या यह है कि वक्फ मुकदमेबाजी के मामलों में न्यायाधीश के रूप में कार्य करता है और जिन व्यक्तियों की भूमि अधिग्रहित की जाती है, उन्हें स्वामित्व साबित करना होगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य पुराने हो चुके वक्फ प्रबंधन को आधुनिक बनाना है। लेकिन उद्धव गुट ने इस बिल के खिलाफ वक्फ बोर्ड को अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है।

बदलापुर के स्कूल का 15 दिन का सीसीटीवी फुटेज गायब

केसरकर ने पत्रकरों से कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने घटना को लेकर रिपोर्ट मांगी थी। हमने पाया कि 15 दिन का सीसीटीवी फुटेज गायब है। हमने पुलिस से पता लगाने के लिए कहा है कि यह कैसे गायब हुई। चूंकि अपराध शौचालय के पास किया गया था, इसलिए हमने सीसीटीवी फुटेज मांगी और फिर समिति को बताया गया कि यह गायब हो गई है। जानकारी के लिए बता दें कि बदलापुर के घटना के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने बदलापुर स्कूल का दौरा किया था और जांच रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंप दी। इस रिपोर्ट में उन्होंने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए किए जाने उपायों के कई सुझाव दिए। बता दें कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सदस्य सचिव रूपाली बनर्जी ने 23 अगस्त को बदलापुर शहर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पालिका के प्रशासनिक भवन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा अधिकारी, शिक्षा बोर्ड, निलंबित मुख्याध्यापिका, अभिभावकों से चर्चा एवं साथ कि आयोग के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से तहकीकात की। शनिवार को भी आयोग कुछ और संबंधित पक्षों की जांच कर विस्तृत जांच रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजेगा।

'आप' ने ठोकी महाराष्ट्र में ताल, घोषित किया तीसरा उम्मीदवार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारने की घोषणा के बाद आप में योग्य उम्मीदवारों की तलाश शुरू हो गई है। तलाश के इस क्रम में केजरीवाल ने रविवार को अपने तीसरे उम्मीदवार के रूप में परभणी से सतीश चकोर के उम्मीदवारी की घोषणा की। इस तरह से मराठवांड़ा में बीड, लातूर के बाद अब परभणी में भी आप के उम्मीदवार का चुनाव लड़ना तय हो गया है। आप के राज्य संगठक संग्राम पाटिल ने परभणी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सतीश चकोर के नाम की घोषणा की है। हालांकि राजनीति के जानकार अभी भी इसे महाविकास आघाड़ी पर दबाव बनाकर सम्मानजनक सीटें हासिल करने की केजरीवाल की कूटनीतिक चाल ही मान रहे हैं। गौरतलब हो कि आप की महाराष्ट्र की प्रमुख प्रीति शर्मा मेनन ने पिछले दिनों महाराष्ट्र को लेकर आप की रणनीति का खुलासा किया था। मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ऐलान किया कि आप अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उल्लेखनीय है कि उम्मीद जताई जा रही थी कि राज्य में अक्टूबर में चुनाव होंगे, लेकिन केंद्रीय चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा की। वहीं, अब महाराष्ट्र में चुनाव की घोषणा दिवाली के बाद होने की संभावना है।

देशभर में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

कृष्ण मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, सेवायतों ने लड्डू गोपाल को पंचामृत से कराया स्नान और भोग प्रसाद अर्पित किया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पूरे भारत में भगवान कृष्ण के जन्मदिन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को मनाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न मंदिरों में एकत्रित हुए। कृष्ण के जन्म उत्सव के अवसर पर देशभर के सभी मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया है। देशभर के सभी इस्कॉन मंदिरों में लोग कृष्ण दर्शन के लिए जुटे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार को भगवान कृष्ण का जन्मदिन पूरे धूमधाम से मनाने के लिए देश भर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार को राधा कृष्ण परिसर के सभी मंदिरों में घंटियां, मृदंग और शंख की ध्वनि गूंज उठी। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा मंदिर भी कृष्ण भक्तों से भरे रहा। द्वारका में भी भगवान के भक्त पूजा-पाठ के लिए पहुंचे। देशभर के इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़े। इस्कॉन मंदिरों में महोत्सव में 27 को जन्माष्टमी किया आज नंदोत्सव का आयोजन होगा।

इस्कॉन के अहमदाबाद मंदिर में श्रीकृष्ण के दर्शन करते श्रद्धालु।

श्रीनगर के लाल चौक पर श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैं अपने सभी देशवासियों को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बधाई देता हूं। यह त्योहार हमें भगवान श्री कृष्ण के दिव्य आदर्शों के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर, आइए हम भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाओं को आत्मसात करें और देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लें।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि आप सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। जय श्री कृष्ण!।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। मुझे आशा है कि आनंद और खुशी का यह त्योहार आप सभी के जीवन को नए उत्साह और उमंग से भर देगा।

जमात-ए-इस्लामी से प्रतिबंध हटाएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश की नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने इस्लामी कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी, जिसने बांग्लादेश में कई बम धमाके करवाए हैं, और जिसने हिंदुओं पर कई हमले करवाए हैं, उसपर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। पिछली शेख हसीना की नेतृत्व वाली सरकार ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान 1 अगस्त को जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश की कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों के विरोध के रूप में शुरू हुआ यह आंदोलन उनके 15 साल के शासन के खिलाफ एक बड़े आंदोलन में बदल गया, क्योंकि जमात और विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) भी सड़कों पर उतर आए थे।

अब, चूंकि बीएनपी और जमात ने हसीना के बाद बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रमुख भूमिका निभाई है, इसलिए यूनुस सरकार जमात पर प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार है।

भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन

कंपनियों के कई सीईओ से भारत में निवेश की संभावनाओं पर चार मंत्रियों ने की चर्चा

मुंबई हलचल / सिंगापुर

माना जा रहा है कि इस गोलमेज बैठक में अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के लिए आधार तैयार किया जाएगा। बैठक में भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नया एजेंडा निर्धारित किया जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शणमुगारत्नम और प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। चारों मंत्री सोमवार को आयोजित होने वाले दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) के लिए यहां आए हैं, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की जाएगी और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सिंगापुर के राष्ट्रपति थरमन एस से संयुक्त रूप से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भारत-सिंगापुर रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर उनके मार्गदर्शन की सराहना करता हूं।

भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में प्रधानमंत्री वोंग की सतत सहभागिता की सराहना करता हूं। आईएसएमआर में चारों नेता अपने सिंगापुरी समकक्षों के साथ शामिल होंगे और सितंबर 2022 में नई दिल्ली में आयोजित पहले आईएसएमआर की प्रगति की समीक्षा करेंगे। आईएसएमआर का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले महीने सिंगापुर की संभावित यात्रा से पहले यहां किया जा रहा है। उप प्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालकृष्णन, गृह एवं विधि मंत्री के. षणमुगम, डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री तथा गृह मामलों के द्वितीय मंत्री जोसेफिन टेओ आदि शामिल होंगे। आईएसएमआर एक अनूठा तंत्र है।

व्यापक रिश्ते बनाने के लिए नए रास्ते

भारत-सिंगापुर के रिश्ते पहले से मजबूत

भारत और सिंगापुर के रिश्ते पहले से ही काफी मजबूत हैं। दोनों देश कई वैश्विक मंचों जैसे कि ईस्ट एशिया समिट, जी-20, कॉमनवेल्थ, इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन और इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम के भी सदस्य हैं। कई अंतराष्ट्रीय विषयों पर भारत और सिंगापुर अपने विचारों की समरूपता प्रदर्शित कर चुके हैं। इतना ही नहीं, दोनों देशों के बीच, 20 से अधिक द्विपक्षीय तंत्र चलते रहते हैं।

खबर संक्षेप

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में प्रतिबंधित उग्रवादी समूह कांग्लेई यावोल कन्बा लूप (केवाईकेएल) के तीन

सदस्यों को जबरन वसूली में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि ये गिरफ्तारियां शनिवार को इंफाल वेस्ट जिले के उचेकोन इलाके में की गई। ये सभी इंफाल में और उसके आसपास जबरन वसूली में शामिल थे।

हरदीप ढिल्लों ने अकाली दल से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल के गिद्दड़बाहा के नेता हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लों ने पार्टी से

इस्तीफा दे दिया है। रविवार को सोशल मीडिया पर लाइव होकर उन्होंने इसकी घोषणा की। डिंपी ने कहा कि वह हमेशा शिरोमणि अकाली दल और बादल परिवार के साथ डटकर खड़े रहे। हर स्थिति में उन्होंने पार्टी का साथ दिया है। हालांकि उनके आम आदमी पार्टी में जाने की चर्चा है।

राजनीति से संन्यास नहीं लेंगी मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राजनीति से संन्यास लेने की सभी अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। हाल के दिनों में इस तरह की खबरें आ रही थीं कि मायावती राजनीति से संन्यास ले सकती हैं!

आज पेशी : अपने समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा, इनमें मप्र भी

वेतन आयोग की सिफारिशों पर अमल नहीं, 18 प्रदेशों के मुख्य सचिव तलब

मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से हमारे सामने पेश होना होगा या हम उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करेंगे

मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, असम, नगालैंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, केरल, बिहार, गोवा, हरियाणा और ओडिशा के मुख्य सचिवों को पेश होना है

मप्र समेत कई राज्यों ने जवाब दाखिल नहीं किया

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ को सरिष्ठ अधिवक्ता एवं न्याय मित्र के. परमेश्वर ने सूचित किया कि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक अपने जवाब दाखिल नहीं किए हैं। परमेश्वर जेलों में कैदियों की बढ़ती संख्या से संबंधित मामले में शीर्ष अदालत की न्याय मित्र के रूप में सहायता कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने खुली जेलों की स्थिति और कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी मांगने के लिए प्रश्नावली प्रसारित किए जाने के बावजूद अभी तक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है तथा यह भी नहीं बताया है कि क्या ऐसी जेलें उनके अधिकार क्षेत्र में मौजूद हैं या नहीं। पीठ ने 20 अगस्त को पारित अपने आदेश में कहा कि इसलिए, हम निर्देश देते हैं कि सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, जिन्होंने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है, वे चार सप्ताह की अवधि के भीतर पूरा जवाब दाखिल करें। पीठ ने कहा कि हम यह स्पष्ट करते हैं कि यदि कोई भी राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश इस अदालत द्वारा पारित आदेशों के अनुसार जवाब नहीं करता है,

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ की याचिका और 22 अन्य समान याचिकाओं को मंगलवार को सुबह साढ़े 10 बजे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया

मैं देख सकता हूं कि कोई ठोस अनुपालन नहीं हुआ

उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ की याचिका और 22 अन्य समान याचिकाओं को मंगलवार को सुबह साढ़े 10 बजे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। प्रधान न्यायाधीश ने 22 अगस्त को कहा था कि मैं देख सकता हूं कि कोई ठोस अनुपालन नहीं हुआ है। उन्हें व्यक्तिगत रूप से हमारे सामने पेश होना होगा या हम उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करेंगे। न्यायालय ने यह निर्देश तब दिया, जब वरिष्ठ वकील एवं न्याय मित्र के. परमेश्वर ने पीठ को बताया कि कई आदेशों और समय विस्तार के बावजूद, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसएनजेपीसी की सिफारिशों का पूरी तरह से पालन नहीं किया है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने न्यायिक अधिकारियों को बकाया पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान पर द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशों को लागू न करने के मामले में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को मंगलवार को अपने समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए तलब किया है।

तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, असम, नगालैंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, केरल, बिहार, गोवा, हरियाणा और ओडिशा के मुख्य सचिवों को 27 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से उच्चतम न्यायालय के समक्ष पेश होना है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चार सप्ताह में खुली जेलों के बारे में जानकारी मांगी

उच्चतम न्यायालय ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चार सप्ताह के भीतर खुली जेलों के कामकाज के संबंध में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अर्ध-खुली या खुली जेलें दोषियों को आजीविका कमाने के लिए दिन के दौरान परिसर के बाहर काम करने और शाम को वापस लौटने की अनुमति देती हैं। इस अवधारणा को कैदियों को समाज के साथ तालमेल बैठाने और मनोवैज्ञानिक दबाव को कम करने के लिए पेश किया गया था।

चंदेरी में सीएम डॉ. यादव की दो टूक

कहा भारत में रहना है तो राम-कृष्ण की जय तो कहना ही होगा

मुंबई हलचल / भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृष्णजन्माष्टमी पर अशोक नगर जिले के चंदेरी पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि हमारे यहां हिंदू-मुस्लिम का भाव नहीं है। हमारे यहां परमात्मा को, सृष्टि को समझने वाले लोग चाहिए।

रहीम, रसखान, यहां की माटी को जोड़कर चले, इसलिए हम आज भी उन्हें स्मरण करते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि देश के भीतर हम सब का सम्मान करना चाहते हैं, किसी का अपमान नहीं करते हैं। पर जो यहां का खाता है, कहीं और का बजाता है, यह नहीं चलेगा। भारत के अंदर रहना है, तो राम-कृष्ण की जय कहना होगा। डॉ. यादव अशोकनगर जिले की तहसील चंदेरी स्थित नवीन कृषि उपज मंडी में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने हमे धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। चंदेरी नगरी का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से रहा है। चंदेरी पवित्र नगरी है। इस नगरी के विकास में कोई कमी नही आने दी जाएगी। उन्होंने कहा हर किसी को अपनी पूजा-पद्धति की स्वतंत्रता है, लेकिन देशभक्ति जरूरी है। देश है तो हम रहेंगे। मुख्यमंत्री चंदेरी में कई स्थानों पर आयोजित समारोहों में शामिल हुए। उन्होंने चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध हैंडलूम पर साड़ियां बनते हुए देखा। बुनकर पार्क पहुंचे और कारीगरों से बात की। उन्होंने कहा कि वहां क्या हिंदू क्या मुसलमान सभी खूब मेहनत करते हैं। यही पवित्रता का भाव होना चाहिए। उन्होंने बुनकर पार्क में बुनकरों से सीधा संवाद किया। उन्होंने रोड शो भी किया।

केरल व त्रिपुरा को 20-20 करोड़ की सहायता

यादव ने कहा कि भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित केरल और त्रिपुरा की सरकार को राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की ओर से 20-20 करोड़ रुपए की सहायता जारी करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं और संकट की इस घड़ी में मप्र सरकार दोनों राज्यों के साथ है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से जल्द से जल्द इस संकट को दूर करने की प्रार्थना की है।

बंदूकधारियों ने यात्रियों को बसों से उतारा पहचान पूछकर गोली मारी

बीएलए ने 27 लोगों को गोलियों से भून डाला

मुंबई हलचल / इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने सोमवार को बसों को निशाना बनाया और 27 यात्रियों को गोलियों से भून डाला। जानकारी के अनुसार हथियारों से लैस लोगों ने यात्रियों को बसों से उतारकर उनकी पहचान पूछी। फिर 27 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

घटना बलूचिस्तान के मूसाखेल जिले में हुई। हथियारबंद लोगों ने मूसाखेल के राराशाम जिले में अंतर-प्रांतीय राजमार्ग को अवरुद्ध किया। इसके बाद वहां से गुजरने वाली बसों को रोक कर यात्रियों को नीचे उतार दिया। उनकी पहचान पूछने के बाद यात्रियों को गोली मार दी गई। सभी मृतक पंजाब प्रांत के बताए जा रहे हैं।

10 वाहनों में लगाई आग

हथियारबंद लोगों ने 10 वाहनों में आग भी लगा दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल ले जाना शुरू किया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने आतंकी घटना की कड़ी निंदा की। उनके कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने आतंकियों की कायरतापूर्ण हरकत में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना और संवेदना व्यक्त की।

बाढ़ से कई इमारतें ध्वस्त, 13 की मौत

टर्नेट द्वीप। इंडोनेशिया के पूर्वी टर्नेट द्वीप पर मूसलाधार बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में रविवार को कई इमारतें ध्वस्त होने से 13 लोगों की मौत हो गई। खोज और बचाव दल ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर शवों को बरामद करने और लापता लोगों की तलाश करने का काम शुरू किया। अचानक आई बाढ़ के कारण रिहायशी इलाके की दर्जनों इमारतें ध्वस्त होकर कीचड़ में दब गईं।मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी का कहना है कि आने वाले दिनों में टर्नेट शहर और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है। स्थानीय अधिकारियों ने निवासियों को सतर्क रहने और बाढ़ की स्थिति में निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

38 मंजिला इमारत से टकराया ड्रोन, 5 की मौत

मास्को। रूस के सारातोव में सोमवार को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर जैसा हमला हुआ है। एक ड्रोन सुबह 38 मंजिला रिहायशी इमारत 'वोल्गा स्काई' से टकराया। इसमें 4 लोग घायल हुए। रूस ने इस हमले का आरोप यूक्रेन पर लगाया। इसके पलटवार में रूस ने यूक्रेनी शहर कीव, खारकीव, ओडेसा और लीव समेत 12 शहरों पर 100 मिसाइलें और 100 ड्रोन दागे हैं। यूक्रेनी एयरफोर्स के अधिकारियों ने बताया कि कीव पर अटैक 11 टीयू-95 स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स, किंझल बैलिस्टिक मिसाइलें से किया गया।

अभी तक एक रिहायशी इमारत के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। हमले में 5 लोगों के मौत होने की जानकारी भी सामने आई है। रूस का हमला यूक्रेन-पोलैंड के बॉर्डर के नजदीक हुआ है। पोलैंड के सैन्य अधिकारियों ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि, हमले के बाद पोलिश और उसके नाटो देशों के एयरक्राफ्ट्स को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देहरादून के 'टिहरी नगर' में हुआ गढ़वाल की 1952 की प्राचीन रामलीला का हनुमान ध्वज स्थापना : अभिनव थापर

'श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून' द्वारा गढ़वाल की ऐतिहासिक रामलीला को देहरादून में पुनर्जीवित करने के लिए निर्णय लिया गया और इस हेतु आजाद मैदान, टिहरी नगर, अजबपुर कलां, दून यूनिवर्सिटी रोड, देहरादून में 'हनुमान ध्वजा स्थापना' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल से सभी क्षेत्रवासियों ने मिलकर 'हनुमान ध्वजा' को टिहरी नगर में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर गढ़वाल के वाद–यंत्र 'ढोल दमाऊ' के साथ परिक्रमा करवाई। हनुमान ध्वजा स्थापना हेतु पूजा, अर्चना व हवन किया व तत्पश्चात विधि–विधान से 'हनुमान ध्वजा' की स्थापना की गई।

'श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून' के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी टिहरी में 1952 से हर वर्ष रामलीला के सफल आयोजन की कामना हेतु जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हनुमान ध्वजा का विधि विधान से स्थापना होती थी और इसी दिन से रिहर्सल का कार्य भी आरंभ होता था, अतः हमने भी वही परंपरा का पालन किया है। गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला का अपने आप में बहुत बड़ा ऐतिहास है और या रामलीला 1952 से पुरानी टिहरी डूबने तक आयोजन किया गया। गढ़वाल की धरोहर इस रामलीला को 2023 में 21

वर्षों बाद देहरादून में पुनर्जीवित किया गया और विभिन्न माध्यमों से रामलीला मंचन को पिछले वर्ष रिकार्ड 10 लाख लोगों तक पहुंचने में सफलता पाई। रामलीला से न सिर्फ इतिहास को जीवित करने का मौका मिलता है बल्कि आने वाली पीढियां के लिए मनोरंजन से अपने इतिहास और सनातन धर्म की परंपराओं के साथ जुड़ने का अवसर भी मिलता है। उल्लेखनीय है कि अजबपुर, देहरादून स्थित टिहरी नगर में रामलीला आने वाले शारदीय नवरात्रों में 3 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2024 तक भव्य रूप से आयोजित करी जाएगी। इस रामलीला में चौपाई, कथा,संवाद, मंचन आदि सब टिहरी की 1952 से चली आ रही प्रसिद्ध व प्राचीन रामलीला के जैसा ही होगा, जिससे टिहरी के लोगों का अपनत्व देहरादून में भी जुड़ रहे। 2023 में आयोजित 'भव्य रामलीला' मैं विशेष आकर्षण के रूप में उत्तराखंड के इतिहास में पहली बार 'Laser Show' व Digital Live Telecast का प्रसारण किया गया था। कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिनव थापर, सचिव अमित पंत, गिरीश पैन्यूली, गिरीश पांडे, नरेश मुल्तानी, मनोज जोशी,शिवप्रसाद नौटियाल, राकेश पांडे, बिजेंद्र प्रसाद पंत, दिनेश मिश्रा, मंगानद नौटियाल, नवीन रमोला, दुर्गा नौटियाल, उर्मिला पंत, सरिता जुयाल, किरण बहुगुणा, कुलदीप बिष्ट, रश्मि पंवार, बबली सकलानी, पूनम सकलानी, आदि ने भाग लिया।

आरबीआई वित्तीय क्षेत्र को मजबूत करने नीतियां बनाने पर काम कर रहा: गवर्नर दास

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय बैंक लगातार ऐसी नीतियां, प्रणालियां और मंच तैयार करने पर काम कर रहा है जो वित्तीय क्षेत्र को मजबूत, जुझारू और ग्राहक केंद्रित बनाएंगे।

आरबीआई@90पहल के तहत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर वैश्विक सम्मेलन में दास ने यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के संबंध में आरबीआई द्वारा की जा रही विभिन्न पहलों का जिक्र किया।

यूपीआई प्रणाली एक सस्ता माध्यम

गवर्नर ने कहा कि यूपीआई प्रणाली में सीमा पार धन प्रेषण के उपलब्ध माध्यमों के लिए एक सस्ता तथा त्वरित विकल्प बनने की क्षमता है और " इसकी शुरुआत छोटे मूल्य के व्यक्तिगत धन प्रेषण से की जा सकती है, क्योंकि इसे शीघ्रता से क्रियान्वित किया जा सकता है।"

भारत में धन प्रेषण चार फीसदी बढ़ा

संसद में जुलाई में पेश आर्थिक समीक्षा के अनुसार, भारत में धन प्रेषण (जो सेवा निर्यात के बाद बाह्य वित्तपोषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है) 2024 में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 124 अरब अमेरिकी डॉलर और 2025 में चार प्रतिशत बढ़कर 129 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। दास ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई@100 की ओर बढ़ने की यात्रा को लेकर काफी आशावादी है।

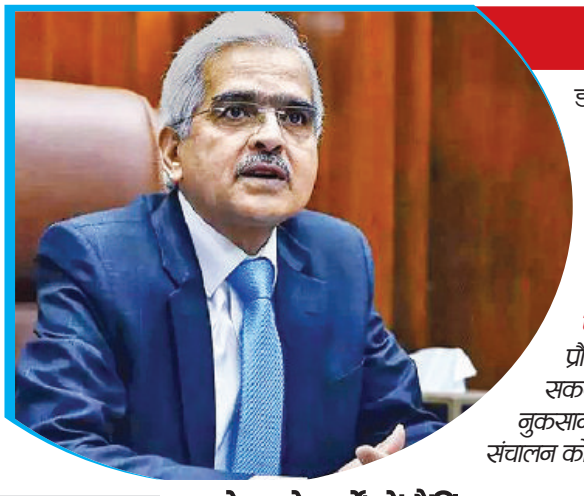

डीपीआई ने भारत को सक्षम बनाया

डीपीआई को लेकर देश के अनुभव पर उन्होंने कहा, " डीपीआई ने भारत को एक दशक से भी कम समय में वित्तीय समावेश के ऐसे स्तर को हासिल करने में सक्षम बनाया है, जिसे हासिल करने में अन्यथा कई दशक या उससे भी अधिक समय लग जाता। डीपीआई व्यापक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र में निर्मित बुनियादी प्रौद्योगिकी प्रणालियों को संदर्भित करता है जो उपयोगकर्ताओं तथा अन्य डेवलपर के लिए खुले तौर पर उपलब्ध हैं।

एआई के गलत इस्तेमाल से बचे : *दास ने कहा कि एआई प्रौद्योगिकी का गलत इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने के लिए भी किया जा सकता है, जिससे डीपीआई के साथ-साथ अन्य डिजिटल प्रणाली को गंभीर नुकसान और व्यवधान हो सकता है। वे वित्तीय संस्थानों की प्रतिष्ठा और संचालन को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।"*

- केंद्रीय बैंक वित्तीय क्षेत्र को मजबूत, जुझारू व ग्राहक केंद्रित बनाएंगा
- पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी बदलाव हुआ

आने वाले वर्षों में बैंकिंग प्रणाली और तेज होगी

गवर्नर ने कहा, " हम लगातार ऐसी नीतियां, दृष्टिकोण, प्रणालियां और मंच तैयार करने पर काम कर रहे हैं जो हमारे वित्तीय क्षेत्र को अधिक मजबूत, गतिशील और ग्राहक केंद्रित बनाएंगे। डीपीआई और उभरती प्रौद्योगिकियों के विषय पर उन्होंने कहा कि पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी बदलाव हुआ है। सभी संकेतों से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में यह प्रक्रिया और भी तेज हो सकती है।

बिना किसी बाधा के ऋण उपलब्ध : बैंकिंग सेवाओं के डिजिटलीकरण की इस यात्रा को जारी रखते हुए, पिछले साल हमने एक प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म का पायलट लॉन्च किया जो बिना किसी बाधा के ऋण उपलब्ध कराता है। अब से, हम इसे यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस कहने का प्रस्ताव करते हैं।"

यूएलआई प्लेटफॉर्म कई सेवाएं प्रदान करता है

यूएलआई प्लेटफॉर्म विभिन्न डेटा सेवा प्रदाताओं से ऋणदाताओं तक विभिन्न राज्यों के भूमि रिकॉर्ड सहित डिजिटल जानकारी के निर्बाध तथा सहमति-आधारित प्रवाह की सुविधा प्रदान करता है। इससे ऋण मूल्यांकन में लगने वाला समय कम हो जाता है, खासकर छोटे तथा ग्रामीण उधारकर्ताओं के लिए..।

एआई तेज सेवाएं देने में सक्षम : *गवर्नर दास ने कहा, " ..शुरुआती चरण से प्राप्त अनुभव के आधार पर यूएलआई को राष्ट्रव्यापी स्तर पर जल्द ही पेश किया जाएगा। कृत्रिम मेधा (एआई) और डीपीआई पर दास ने कहा कि ग्राहकों के लिए एआई अति-वैयक्तिकृत उत्पाद तथा तेज, अधिक प्रासंगिक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है।*

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आहर में शामिल करें इस तेल की 2 बूंदें, हमेशा रहेंगे स्वस्थ

बादाम खाना वैसे तो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है लेकिन इसके तेल से ब्यूटी और हेयर से जुड़े फायदे भी लिए जा सकते हैं। रोजाना अपनी डाइट 2-3 बूंद बादाम के तेल की शामिल करके इससे सेहत से जुड़े कई लाभ लिए जा सकते हैं।

दिल के रोग
बादाम के तेल में फोलिक एसिड,प्रोटीन और पोटाशियम जैसे और भी तत्व पाए जाते हैं जो दिल के रोगों के लिए फायदेमंद हैं।

ब्लड प्रैशर और कोलेस्ट्राल
बादाम में हाई पोटाशियम और लो सोडियम होता है जो दिल की बीमारियों से रोकथाम करता है। यह ब्लड प्रैशर और कोलेस्ट्राल लेवल को ठीक रखता है।

प्रतिरोधक क्षमता में मजबूत
रोजाना बादाम के तेल का सेवन करने से प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। मौसम के कारण होने वाली छोटी-मोटी इंफैक्शन से यह तेल बचाव रखता है।

यादाशत बढाएं
रोजाना रात को 5 बादाम भिगोकर सुबह खाने से याद रखने की क्षमता मजबूत होती है। इसके अलावा रोजाना रात को सोने से पहले दूध में 3-4 बूंद बादाम के तेल की मिलाकर पीने से मैमोरी पावर बढती है।

हड्डिया मजबूत
बादाम के तेल में विटामिन डी और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

मसल्स में दर्द से राहत
शरीर में किसी भी तरह की दर्द से राहत पाने के लिए बादाम के तेल की मालिश करें। इससे मसल्स मजबूत होते हैं और दर्द से आराम मिलता है। जोड़ों के दर्द से राहत पाने के लिए बादाम के तेल को गुनगुना करके मालिश करने से फायदा मिलता है।

एनर्जी बढ़ाएं
शरीर में स्फूर्ति की कमी है तो बादाम का तेल बेहद कारगर है। इसके लिए सलाग में थोड़ा सा बादाम का तेल जालकर खाने से शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

कब्ज
कब्ज से राहत पाने के लिए गुनगुने पानी में 1-2 बूंद बादाम के तेल की मिलाकर दिन में 2 बार पीने से पेट साफ हो जाता है.

घरेलू तरीकों से करें लकवे का इलाज

लकवा यानि पैरालिसिस अटैक। इसमें व्यक्ति चलने-फिरने और अंग को महसूस करने की क्षमता खो देता है। इसके अलावा मुंह टेढ़ा हो जाता है और बोलने पर मुंह से आवाज भी नहीं निकलती। वैसे देखा जाए तो लकवा किसी भी उम्र में किसी भी व्यक्ति या महिला को हो सकता है। लेकिन अधिकतर यह ज्यादा उम्र के लोगों में देखा गया है। इस बीमारी को ठीक होने में काफी समय लग जाता है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे उपचार लेकर आए हैं जिन्हें अपनाकर इस बीमारी से जल्दी ठीक हुआ जा सकता है।

1. एक चम्मच काली मिर्च को पीसकर उसमें तीन चम्मच देसी घी में मिला लें। अब इन दोनों को अच्छी तरह मिलाकर लेप तैयार कर लें। इस लेप को लकवाग्रसित अंगों पर लगाकर मालिश करें। ऐसा करने से लकवा ग्रस्त अंगों का रोग दूर हो जाएगा।
2. अगर नियमित रूप से करेले की सब्जी या करेले का रस का सेवन किया जाए तो लकवा से प्रभावित अंगों में सुधार होने लगता है।
3. प्याज खाते रहने से और प्याज का रस का सेवन करते रहने से लकवा रोगी ठीक हो जाता है।
4. 6 कली लहसुन को पीसकर उसमें एक चम्मच मक्खन मिला लें और रोज इसका सेवन करें। लकवा ठीक हो जाएगा।

5. तुलसी के पत्ते, दही और सेंधा नमक को बराबर मात्रा में मिलाकर लेप तैयार कर लें। इस लेप को लकवाग्रसित अंगों पर लगाकर मालिश करें। ऐसा करने से लकवा ग्रस्त अंगों का रोग दूर हो जाएगा।

नींबू से होगा स्ट्रैस दूर!

भागदौड़ भरी जिंदगी में आजकल हर दूसरा इंसान तनाव का शिकार हो रहा है। कुछ लोग ऑफिस के काम की वजह से तनाव में रहते हैं तो कुछ पर्सनल जिंदगी को लेकर। यहां तक कि बच्चे भी इससे जूझ रहे हैं,बैग उठाने का बोझ तो कभी सबसे अधिक अंक लेने का दबाब इनके बचपन को खराब कर रहा है। तनाव दूर करने के लिए लोग बहुत से तरीके अपनाते हैं लेकिन कुछ फर्क नहीं पड़ता। हाल ही में एक शोध हुआ है जिसमें सिर्फ 15 मिनट में ही तनाव दूर करने का तरीका बताया गया है।

शोध में तनाव दूर करने के लिए नींबू की महक का जिक्र किया गया है। आंखे बंद करके 15 मिनट तक नींबू की महक सूंघने से कहते है सारा स्ट्रैस दूर हो जाता है। क्यों है न चमत्कारी उपाय। शोधकर्ता कहते है कि तीन तरह की महक से तनाव दूर किया जा सकता है। इसमें उन्होंने लैवेंडर, सिट्रिक और मिंट की महक के बारे में बताया कि ये महक हमारे व्यवहार और महसूस करने की क्षमता पर असर डालती है। जिससे हमारा मूड फ्रैश हो जाता है और हम हर काम को बड़ी ताजगी से करने की एनर्जी पा लेते है। इस साइंटिफिक एरोमा थेरेपी को सब लोगों ने काफी पसंद किया है। यह सबसे सस्ता और कारगर तरीका है। इसे हम बच्चों पर भी बेझिझक अपना सकते है और हर कोई इस उपाय को बड़ी कंफर्टरेबल अपना रहा है।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है 'किस'

'किस' अपनी भावनाओं को इजहार करने का एक प्यारा सा तरीका है। हर किसी के लिए यह पल बहुत ही खास होता है। किस जहां एक तरह कपल्स में प्यार बढ़ाती है वहीं दूसरी ओर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आज हम आपको किस करने के अनगिनत फायदों के बारे में बताएंगे।

1. खुशी का अहसास
किस करके आपको एक अलग ही खुशी महसूस होती है। इससे रिश्ते में विश्वास बढ़ता है। आप अपने पार्टनर पर निर्भर होने लगते है।

2. पार्टनर के करीब
पार्टनर के करीब आने के लिए किस बैस्ट तरीका है।किस करके आप अपने पार्टनर को प्यार का इजहार आसानी से सकते है। इससे प्यार हमेशा जवान रहता है।

3. दिल के लिए फायदेमंद
किस के दौरान शरीर में एड्रेनालिन नामक हार्मोन बनता है जोकि दिल के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे ब्लड प्रेशर कम करने और शरीर में रक्त संचार ठीक रखने में मदद मिलती है।

4. कैविटी को रखें दूर
दांतों के लिए किस बहुत फायदेमंद है। किस के दौरान मुंह में बनने वाली लार दांतों से कैविटी को दूर करती है। इससे अलावा मुंह में मौजूद बैक्टीरिया खत्म होता है।

5. वजन
वजन कम करने के लिए किस बहुत लाभदायिक है। करीब 1 मिनट किस करने से 2 से 3 कैलोरी बर्न होती है।

6. तनाव को रखें दूर
किस के दौरान शरीर से एंडोर्फिन नामक हार्मोन्स निकलते है जिससे तनाव दूर होता है। ऐसे में तनाव को दूर करने के लिए बैस्ट है किस।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं आलिया भट्ट

ब्राजील में नेटफ्लिक्स टुडूम इवेंट होने जा रहा है। आलिया भट्ट भी इस इवेंट में शामिल होने वाली हैं। इवेंट से पहले आलिया अपनी अपकमिंग फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन का प्रमोशन कर रही हैं। आलिया इस फिल्म के साथ हॉलीवुड डेब्यू करेंगी। नेटफ्लिक्स टुडूम इवेंट में इस साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली सभी फिल्मों के पोस्टर और ट्रेलर दिखाए जाएंगे। दुनिया भर में इस इवेंट की लाइव-स्ट्रीमिंग की जाएगी। आलिया ब्राजील पहुंच चुकी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर इस बात की जानकारी दी। पिंक सैटिन आउटफिट में फोटो शेयर करते हुए आलिया ने लिखा कि वो अभी से जेट लेग से जूझ रही हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा है- बार्बी को जेट लेग हो गया है। इस पोस्ट पर करीना कपूर ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा- आप बेस्ट क्यों हैं?..क्योंकि आप हैं। आलिया की मां सोनी राजदान ने भी इस पोस्ट पर कमेंट किया है। आलिया की फिल्म हार्ट पर स्टोन में उनके साथ गल गैडोट और जैमी डॉरनेन भी नजर आएंगी। गल गैडोट ने भी सोशल मीडिया पर फिल्म के प्रमोशन से जुड़े वीडियोज शेयर किए। इस वीडियो में तीनों एक्टर्स किसी हॉल के सेंटर स्टेज पर खड़े हैं। ऑडियंस इन एक्टर्स के लिए चीयर कर रही है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए पुर्तगाली में लिखा- कमाल का स्टूडियो और सेटअप तैयार किया गया है, थैंक यू ब्राजील!

ऑनस्क्रीन किस नहीं करना चाहती थीं तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया जल्द ही नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 में नजर आई थी। इस बीच हाल ही में उन्होंने बताया कि आखिर क्यों अपनी नई सीरीज के लिए अपने नो किसिंग नियम को तोड़ने का फैसला लिया। तमन्ना के साथ इस सीरीज में विजय वर्मा, नीना गुप्ता, अमृता सुभाष, अंगद बेदी, कुमुद मिश्रा, काजोल, मृणाल ठाकुर और तिलोत्तमा शोमे नजर आई थी। तमन्ना ने लस्ट स्टोरीज 2 के बारे में बात की। उन्होंने कहा- मैं वाकई में सुजॉय के साथ काम करना चाहती थी। मैं खुश हूं कि उन्होंने सिरीज के इस पार्ट में मुझे कास्ट करने के बारे में सोचा। मैंने अपने फिल्मी करियर में कभी भी किसी फिल्म में इतना इंटिमेट सीन नहीं किया है, ऐसे सीन्स वाकई बेहद कम हैं। उन्होंने आगे कहा- मैं ऐसी ऑडियंस में से एक थी, जिसके लिए यह सब बेहद ऑकवर्ड होता था। मैं हमेशा सोचती थी कि मैं ये सब कभी नहीं करूंगी, मैं कभी भी ऑनस्क्रीन किस नहीं करूंगी। मेरे लिए उस ढांचे से बाहर निकलना वाकई एक बड़ी बात थी। तमन्ना बोलीं- 'भारत बहुत बड़ा देश है। इसके कई हिस्सों का अभी विकास होना बाकी है। मैं नहीं चाहती थी कि यह सब मुझे पीछे खींच ले। यह पूरी तरह से क्रिएटिविटी के लिए था। ऐसा नहीं है कि मैं 18 साल बाद मशहूर होने की कोशिश कर रही हूं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है।

सुशांत के होटल रूम में वक्त बिताते थे मानव कौल

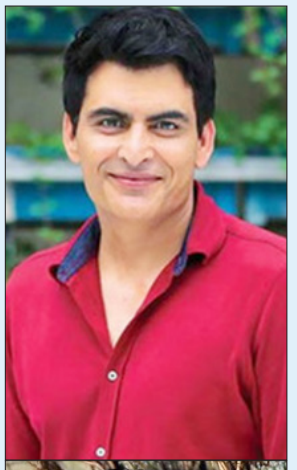

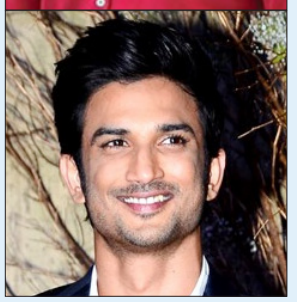

'तुम्हारी सुलु' और 'साइना' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने वाले एक्टर और राइटर मानव कौल ने फिल्म 'काई पो छे' में दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम किया था। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में मानव ने सुशांत के बारे में बात की। मानव ने बताया कि भले ही फिल्म में उनका सुशांत के साथ सिर्फ एक सीन था पर वे सुशांत के साथ उनके होटल रूम में खूब मस्ती किया करते थे। मानव बोले, भले ही मैं इंडस्ट्री में दस साल से था और सुशांत की यह डेब्यू फिल्म थी पर सुशांत को इसके बावजूद फैंसी होटल रूम दिया गया था। वहीं मेरे और बाकी के सपोर्टिंग एक्टर्स को दूसरे होटल में ठहराया गया था। मैं सुशांत को थिएटर सर्किट के चलते पहले से ही जानता था। फिल्म में मेरा उनके साथ बस एक ही सीन था पर हम दोनों उनके होटल रूम में खूब एंजॉय करते थे। चूंकि वो बड़े स्टार थे इसलिए उन्हें बड़ा होटल रूम दिया गया और मुझे छोटा, जो कि नॉर्मल है। एक्टर ने आगे कहा, मेरा जब मन करता था तब मैं उनके रूम में जाता था। हम साथ में डिनर करते थे, गिटार बजाते थे। उसको वीडियो गेम्स खेलने में बहुत मजा आता था। वो बहुत अच्छी फीलिंग थी.. मुझे यह कहने में बहुत अच्छा फील होता है कि काई पो छे मेरी पहली फिल्म थी। इसके जरिए मैं 12 साल बाद एक्टिंग फील्ड में लौटा था। इन 12 साल में इंडस्ट्री बहुत चेंज हो गई। एक्टर्स अपनी परफॉर्मेंस पर डिस्कशन करते थे, सिंक साउंड का यूज होता था और क्राफ्ट पर चर्चा की जाती थी।